छत पर सुन्दर एवं आकर्शक बगिया (टेरेस गार्डनिंग/रूफटॉप गार्डनिंग)
कृषि कुंभ (फरवरी, 2023),
खण्ड 02 भाग 09, पृष्ठ संख्या 57–60

छत पर सुन्दर एवं आकर्शक बगिया (टेरेस गार्डनिंग/रूफटॉप गार्डनिंग)

विशाल श्रीवास्तव[1], रोहित गंगवार[2], प्रदीप कुमार वर्मा[3], प्रशान्त गौतम[4] एवं सतवान सिंह[5]

[1,2,,5]शोध छात्र, पुष्प विज्ञान विभाग, [3]पादप रोग विज्ञान विभाग, [4]फल विज्ञान विभाग

सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मोदीपुरम–मेरठ उत्तर प्रदेश, भारत।

Email Id: vishal123srivastava@gmail.com

परिचय

आजकल के समय में बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए हर जगह घरो का निर्माण होने के कारण, पेड़–पौधो को लगाने के लिए जगह की कमी होती जा रही है और इसी कमी को पूरा करने के लिए टेरेस गार्डनिंग का प्रयोग किया जा रहा है। टेरेस गार्डनिंग का मतलब, घरों की छतो पर सुन्दर–सुन्दर, हरे–भरें, सजावटी, फूलों की सुगन्ध से महकते हुए एवं खाने योग्य उपयोगी शाक–सब्जियों वाले पेंड़–पौधो को उगाना टेरेस गार्डनिंग या रूफटॉप गार्डनिंग कहलाता है।

घरो की छतो पर पेड़–पौधो को लगाने से हमें ताजी हवा या प्राणवायु गैस जैसे– ऑक्सीजन प्राप्त होती है जो हमारे शरीर और दिमाग को ताजगी प्रदान करती है जिससे हमारा शरीर तथा दिमाग तनावमुक्त रहता है जो हमारे शरीर के लिए व्यायाम का कार्य करता है तथा यहाँ पर पौधो को उगाने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी, धूप एवं हवा उपलब्ध रहता है। टेरेस गार्डनिंग को बनाये रखना आसान है यह ज्यादा महँगी भी नही है। परिवार का हर सदस्य घरो की छतो पर बैठकर अपना कुछ उपयोगी या खाली समय व्यतीत कर सकता है जो हमारे शरीर व मन को तरोताजा या प्रसन्नचित रखता है। इसके अतिरिक्त टेरेस गार्डनिंग में उगाये जाने वाले पौधे उष्मा को अवशोषित करके हमारे घरो को बचाते है।

टेरेस गार्डनिंग में हम विभिन्न प्रकार के डिजाइन को बनाकर इसे और सुन्दर एवं आर्कषक बना सकते है। विभिन्न प्रकार के डिजाइन जैसे– वर्टिकल गार्डनिंग, हैंगिग बास्केट्स, वॉल माउंटेड एवं कंटेनर गार्डनिंग इत्यादि।

टेरेस गार्डनिंग की प्रमुख आवश्यकताएँ

टेरेस गार्डनिंग के लिए आवश्यक सामग्री जैसे– पौधे या बीज, बागवानी के उपकरण (खुरपी, हैंड प्रूनर, गार्डन फोर्क, बाल्टी, सीडलिंग ट्रे, गार्डन ब्रूम, स्प्रे बॉटल या

वॉटरिंग कैन एवं गार्डनिंग पाइप इत्यादि), कंटेनर या गमले, जैविक खाद, पोटिंग सोईल या बागवानी मिटट्री इत्यादि को हम नर्सरी से या ऑनलाइन मँगवा सकते है।

छत बागवानी (टेरेस गार्डनिंग) के लिए छत तैयार करना–

छत पर बागवानी करने के लिए सबसे मुख्य बात यह है कि छत पर जल निकास (ड्रेनेज सिस्टम) तथा जल प्रतिरोध (वाटर प्रूफिंग) की सुविधा होनी चाहिए। सबसे पहले बागवानी के क्षेत्र को तिरपाल शीट से ढककर जल प्रतिरोध किया जाता है या बागवानी में वर्षा ऋतु के दौरान पौधो को गमलो में रखने के लिए ड्रेनेज मैट का

उपयोग किया जाता है यह ड्रेनेज मैट प्लास्टिक की एक जाली होती है जिसको टेरेस गार्डनिंग में गमले या ग्रो बैग के नीचे रखा जाता है यह पौधो के साथ–साथ छत को भी सुरक्षा प्रदान करती है। इसके पश्चात छत की जाँच करनी चाहिए कि छत गमले या छत पर प्रयोग की गयी मिट्टी का वजन सह सकती है या नही तथा इसके साथ–साथ पौधो को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए, पौधो की वृद्धि या आकार के अनुसार गमलो या ग्रो बैग का चुनाव करना चाहिए।

टेरेस गार्डनिंग के लिए कंटेनर का चयन–

छत पर बागवानी करने के लिए प्लास्टिक के कंटेनर को छोड़कर किसी भी आकार या प्रकार के कंटेनर का प्रयोग किया जा सकता है। मुख्यतः ऐसे कंटेनर जो पानी और मिट्टी को अपने अन्दर रोक सकते है ऐसे रीसाइकल्ड

कंटेनर का चयन करना चाहिए। सभी कंटेनर में 2 से 3 जल निकास वाले छेद होने चाहिए जो छिद्र से मिट्टी को बहने से रोके एवं पानी के जमाव को रोक सके। इसके अतिरिक्त कंटेनर की निचली सतह को छोटे–छोटे, कंकड़–पत्थर या बजरी से ढ़क दे। टेरेस गार्डनिंग में कंटेनर के अतिरिक्त मिटट्री से बना बेड का भी प्रयोग किया जा सकता है।

टेरेस गार्डनिंग के लिए मिट्टी का चयन–

जिस प्रकार स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ तन की आवश्यकता होती है उसी प्रकार स्वस्थ पौधो की वृद्धि एवं विकास के लिए स्वस्थ मिट्टी की आवश्यकता होती है।

अतः टेरेस गार्डनिंग के लिए ऐसी मिट्टी चुनाव करना चाहिए जिसमें पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में हो तथा जिसका वजन कम हो। इसके लिए बागवानी की सामान्य मिट्टी का प्रयोग नही करना चाहिए क्योकि इसका वजन अधिक तथा पोषक तत्व कम मात्रा में होते है।

पॉटिंग मिट्टी बनाने के लिए जैविक खाद एवं रेत को मिलाकर मिट्टी तैयार करें तथा गमलो के वजन को कम करने के लिए एवं पोषक तत्वो को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के लिए इसमें गोबर की खाद, केचुएँ की खाद (वर्मीकम्पोस्ट) एवं कोकोपीट के मिश्रण का प्रयोग करना चाहिए।

खाद एवं कीटनाशको की आवश्यकता–

कंटेनरो या गमलो में पौध रोपण करने के पश्चात पौधो की वृद्धि एवं विकास तथा कीटो से बचाव के लिए खाद एवं कीटनाशको का उचित मात्रा में प्रयोग आवश्यक है। इसके लिए रासायनिक उर्वरको का प्रयोग नही करना चाहिए। जैविक खाद या हल्के तरल उर्वरक और धीमी गति से रिलीज होने वाले प्राकृतिक खाद या उर्वरको का प्रयोग करना चाहिए जैसे– फलों एवं सब्जियों की खाद तथा चाय की खाद इत्यादि।

पौधो को कीटो से बचाने के लिए केवल प्राकृतिक कीटनाशियों का ही प्रयोग करना चाहिए जैसे– नीम का तेल, अदरक का तेल इत्यादि। इन्हें हम घर पर ही तैयार कर सकते है।

जल का संरक्षण तथा तेज हवाओं से बचाव

छत पर बागवानी करने के लिए वर्षा के

पानी को कंटेनर या बाल्टी में इकट्ठा करके पौधो के लिए उपयोग किया जा सकता है क्योकि यह पौधो के लिए नाइट्रोजन का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। पौधो को तेज हवाओं, गर्मियों एवं सर्दियों से बचाने के लिए पवन अवरोधी बाड़ तथा सेड नेट का प्रयोग करना चाहिए।

टेरेस गार्डनिंग के लिए उपयुक्त पौधो का चयन–

छत पर आकर्षक एवं सुन्दर बागवानी करने के लिए पौधो का चुनाव बगीचे की डिजाइन के अनुसार करना चाहिए। छत पर बागवानी के लिए निम्न पौधो का चुनाव करना चाहिए–

फूल वाले पौधे	फल वाले पौधे (बौनी जातियों का चुनाव)	जड़ी–बूटियों वाले पौधे	सब्जियों वाले पौधे	वर्टिकल गार्डनिंग के लिए पौधे
जैस्मीन	आम	करीपत्ता	टमाटर	बर्ड नेस्ट फर्न
हिबिस्कस	पपीता	धनिया	बैंगन	मटर
परिजात	नींबू	पुदीना	आलू	लिपस्टिक प्लांट्स
मैरीगोल्ड	अमरूद	अजवायन	गाजर	खीरा
गुलदाउदी	ऑरेंज	तुलसी	खीरा	बॉशटन फर्न
लिली	चीकू	लहसुन	लौकी	पोथोस प्लांट्स
एग्जोरा	केला	प्याज	करेला	रेबिट फुट फर्न
गुलाब	अनार	तेजपत्ता	शिमला मिर्च	पोल बीन्स
जिरेनियम		एलोवेरा	पालक	बेबी टियर
सदाबहार		गुलमेंहदी	लहसुन	
		सोआ (डिल)	राजमा	
		लैवेंडर		
		मरजोरम		

टेरेस गार्डनिंग के लिए ध्यान देने योग्य बातें–

- छत पर आकर्षक एवं सुन्दर बागवानी करने के लिए पौधो का चुनाव बगीचे की डिजाइन के अनुसार करना चाहिए।
- मिट्टी का चुनाव सही ढंग से करना चाहिए क्योकि यह पौधो को जरूरी पोषक तत्व प्रदान करती है तथा मिट्टी में पोषक तत्वों की पूर्ति करने के लिए वर्मीकम्पोस्ट, कोकोपीट तथा रेत इत्यादि मिलाना चाहिए।
- बगीचे में पौधो को पानी देने के लिए स्प्रे बॉटल या वॉटरिंग कैन का प्रयोग करना चाहिए तथा गर्मियों के मौसम में दिन में एक बार पानी अवश्य देना चाहिए।
- पौधो की उचित वृद्धि एवं विकास के लिए नियमित रूप से कटाई–छटाई का कार्य करना चाहिए।
- बगीचे में कार्य करते समय दस्ताने का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।
- सबसे पहले ऐसे पौधो को लगाना चाहिए जिन्हें कम देखभाल की आवश्यकता होती है तथा जिन्हें आसानी से ग्रो बैग में लगाया जा सकता है।

जिन पौधो को धूप की ज्यादा आवश्यकता होती है उन्हें धूप में तथा जिन पौधो की धूप की कम आवश्यकता होती है उन्हें छायादार स्थान में लगाना चाहिए।